शिकारी शेर का शिकार करने आया था , पर उसने दिल में सोचा-यह बनमानुस तो शेर से भी ज्यादा ख़ौफ़नाक है । पहिले इसी को क्‍यों न मारूं । दूसरे दिन उसने तड़के ही शिकार का सामान ठीक-ठाक किया और उसी हब्शी को लेकर जंगल की तरफ चल खड़ा हुआ । कई सिपाही भी मौजूद थे । वे भी अपनी छोलदारियाँ और बन्दूकें लेकर चलने को तैयार हो गये । हब्शी राह दिखाता हुआ आगे-आगे चलने लगा । दिन भर लगातार चलने के बाद वे लोग उबांशियों के गाँव में पहुँचे । रा्सते में बहुतसे जानवर मिले , पर बनमानुस का कहीं निशान तक न मिला । अफ्रीका के सब गाँव करीब-करीब एक ही तरह के होते हैं । गाँव के बीच में उबांशियों के सरदार का झोपड़ा था , चारों ओर बाँसों से घिरा हुआ था । एक बड़े डील डौल का आदमी कंधे पर बन्दूक रखे झोपड़े के सामने टहल रहा था